<u>वृक्षों का महत्व</u>

<u>अथवा वनों का महत्त्व</u>

<u>रूपरेखा-</u>

- *प्रस्तावना*
- *वनों का महत्व*
- *वनों के ह्रास के लिए अग्रणी कारक*
- *वन संरक्षण के उपाय*
- *उपसंहार-*

<u>प्रस्तावना-</u> जैसे ही हमारे दिमाग में वृक्ष या जंगल शब्द आता है, अचानक ही हमारे दिमाग में फलों और फूलों के साथ हरियाली और पेड़-पौधों की तस्वीर सामने आ जाती है। जंगल विभिन्न प्रकार के पेड़ों, जड़ी-बूटियों और झाड़ियों वाली भूमि का एक विस्तृत क्षेत्र है। सम्पूर्ण विश्व भर में वन धरती का तक़रीबन 30% हिस्सा हैं। यह हमें विभिन्न आवश्यक सेवाएं प्रदान करता है और हमारी कई जरूरतों को पूरा करता है। यह विभिन्न जीवों का घर भी है और तमाम तरह की जनजातियों का भी। जलवायु परिस्थितियों और पेड़ों के प्रकार के आधार पर वन कई प्रकार के होते हैं। यह सदाबहार, पर्णपाती, आंशिक रूप से सदाबहार, शुष्क और उष्णकटिबंधीय हो सकता है।

<u>वनों का महत्व-</u> वन बड़ी संख्या में लोगों के लिए रोजगार का एक स्रोत हैं। कई लोग सक्रिय रूप से सीधे तौर पर या फिर किसी अन्य माध्यम से वन उत्पादों, या तो लकड़ी या गैर-लकड़ी उत्पादों द्वारा अपना जीवन यापन कर रहे हैं। इसलिए हम कह सकते हैं कि निवास स्थान प्रदान करने के साथ, वन हमें जीविका अर्जित करने में भी मदद करते हैं। कुछ लोग जंगलों और पेड़ों की पूजा भी करते हैं, वे इसे पवित्र मंदिर की तरह मानते हैं, इसलिए यह कहा जा सकता है कि वनों का धार्मिक महत्व भी हैं। हमारे जीवन में पारिस्थितिक और आर्थिक महत्व रखते हैं।

Gyansindhu Classes

वन हमारे लिए कितने महत्वपूर्ण हैं निम्न बिंदुओं के आधार पर देख सकते हैं-

1) वन हमारे लिए उत्पादक का कार्य करते हैं, यह हमें अलग अलग प्रकार का भोजन, फल, साथ ही साथ दवा भी प्रदान करता है। विभिन्न उद्योगों के प्रयोग के लिए कच्चा माल भी प्रदान करते हैं।
2) विभिन्न जडी बूटियाँ व औषधियों की प्राप्ति हमें वनों से होती है।
3) वन, वाहनों के उच्च शोर स्तर को अवशोषित करके ध्वनि प्रदूषण को कम करने में मदद करता है।
4) वन मृदा अपरदन को कम करने में मददगार साबित होते हैं, मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाने में भी मदद करते हैं।
5) वन एक क्षेत्र पर जलवायु के प्रबंधन में मदद करते हैं।
6) वन, बहते पानी को नियंत्रित करते हैं, इसे बहने या बर्बाद होने की बजाय इसे अवशोषित कर लेते हैं। यह बहते हुए पानी को अवशोषित करके भूमिगत जल के स्तर को बढ़ाने का भी काम करता है। बाढ़ के दौरान पानी की गति को कम करने में मदद करता है।
7) कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों को अवशोषित करके वन प्राकृतिक प्यूरीफायर की भूमिका निभाते हैं।

वनों के ह्रास के लिए अग्रणी कारक-

1) वनों की अंधाधुंध कटाई से आज जंगलों के साथ साथ ऑक्सीजन का भी ह्रास हो रहा है।
2) कृषि भूमि के लिए वनों की बिना किसी उचित योजना के कटाई से अनेक प्रजाति के वृक्षों का ह्रास हो रहा है।
3) अत्यधिक चराई (पशुचारण) से वन नष्ट हो रहे हैं।
4) लकड़ी और जीवाश्म ईंधन की बढ़ती मांग आज वनों को खाए जा रही है।

Gyansindhu Classes

वन संरक्षण के उपाय-

1) सक्रिय रूप से अभियान शुरू करना होगा और लोगों को इस परिदृश्य के बारे में जागरूक करना होगा।

2) सरकार को वनों के संरक्षण हेतु ठोस कदम उठाना चाहिए साथ ही वृक्षारोपण को बढावा देना चाहिए। साथ ही अधिक वृक्षारोपण करने वाले सामान्य व्यक्तियों को पुरस्कृत करना चाहिए। वृक्ष काटने पर कडे से कडे दण्ड का प्रावधान करना चाहिए।
3) जन भागीदारी को बढ़ाया जाना चाहिए।
4) कुछ अन्य विकल्प चुनकर जीवाश्म ईंधन और लकड़ी पर निर्भरता को कम करना होगा।
5) पुनर्वनरोपण और वनरोपण नीतियां अपनानी होंगी।
6) जंगल की आग पर नियंत्रण करना होगा।
7) वन उत्पादों का सतत उपयोग कम करके वनों को बचाया जा सकता है।

उपसंहार- वन एक ऐसा संसाधन है जो मानव के लिए काफी अधिक महत्व रखते है। हम अपनी प्रकृति के लिए हमेशा कर्ज में डूबे हैं और हमेशा रहेंगे भी। हमें अपने वन संसाधनों के संरक्षण में एक कदम आगे बढ़ाना चाहिए। आज वे उपलब्ध हैं, लेकिन भविष्य में, अगर वे समाप्त हो जाते हैं, तो एकमात्र पीड़ित हम ही लोग होंगे। प्रकृति के साथ, एक आदमी, इस प्रकृति की एक सबसे सुंदर रचना है। हमें प्रत्येक जीव के अस्तित्व के लिए उनकी रक्षा करने की आवश्यकता है। उचित वन और वन उत्पाद प्रबंधन नीतियों को लागू किया जाना चाहिए, साथ ही जो लोग इसका पालन नहीं कर रहे हैं उनपर दंड और जुर्माना लगाना चाहिए।

"धरा के तुम भी दानी हो
वृक्ष लगाओ पानी दो।"

Gyansindhu Classes